

निर्देश :- अभिवाचकों से ये अपेक्षा की जाती है कि वे ये सुनिश्चित करें कि छात्रा दी गई विषयवस्तु का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें, तत्पश्चात्, दिये गए प्रश्नों का निर्देशानुसार उत्तर दें।

नाट :- वेबसाइट - यू ट्यूब M.S SSC NOTES for all.
पाठ्यपुस्तक - आई. एस. सी. हिन्दी व्याकरण मंजूषा
हिन्दी व्याकरण

1- अधोलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-
प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में संकट अवश्य आते हैं। व्यक्ति होता हो या बड़ा उसे किसी न किसी संकट का सामना अपूर्य्य करना पड़ता है। श्रीराम राजकुमार थे और राजा बनने वाले थे परंतु उन्हें वनवास का आदेश मिल गया। वन में उनकी पत्नी का अपहरण कर लिया गया। उनके जीवन में कितने संकट आ गए। प्रत्येक व्यक्ति को संकटों का सामना धैर्यपूर्वक करना चाहिए। यब्रहाना नहीं चाहिए। महान व्यक्ति वह है जो संकटों का दृढ़ता से सामना करता है। संकट आकर हमारे धैर्य की परीक्षा लेते हैं। जीवन सदा एक सा नहीं रहता। विद्यार्थी जीवन से ही धैर्य रखने की क्षमता उत्पन्न कर लेनी चाहिए। जिस प्रकार सीमा पर तैनात सैनिक धैर्यपूर्वक समस्त संकट सहते हैं, उसी प्रकार दैनिक जीवन में आने वाले संकटों का सामना करना चाहिए। धैरवान व्यक्ति सदा उचित निर्णय लेता है। वह संकट आने पर मानसिक संतुलन बनाए रखता है। धैर्यहीन व्यक्ति संकट आने पर घबरा जाते हैं। संकट ही आकर बताते हैं कि हम कितने धैरवान हैं।

- मानव-जीवन में आने वाले संकटों का क्या महत्व है ?
- मानव-जीवन में परीक्षा की घड़ी कब आती है ?
- हमें अपने जीवन में उत्पन्न संकटों का सामना कैसे करना चाहिए ?
- ऐसे महान व्यक्तियों के उदाहरण दीजिए जिन्होंने संकटों का सामना कैसे किया ?

2- निम्नलिखित विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबन्ध लिखिए :-
अध्ययन का आनन्द आपको कैसा लगता है ? बताइए कि अध्ययन से आप किस प्रकार आनन्दित होते हैं ? आप किस प्रकार की पुस्तकें पढ़ना पसंद करते हैं और क्यों ?

— X —